नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में नवाचार क्लब द्वारा परियोजनाओं की प्रस्तुति

समाज के साथ जुड़कर करें कार्य - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 5 अगस्त 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापित नवाचार क्लब एवं नेशनल इन्नोवेशन फाउंडेशन की ओर से आयोजित अध्यापकों की बैठक में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए आसपास के समाज के साथ जुड़ने का प्रयास विश्वविद्यालय को करना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि अध्यापकों को चाहिए कि वे हमेशा अपने कार्य में नयापन लाए। हबीब तनवीर सभागार में मंगलवार को आयोजित बैठक में कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा तथा विभिन्न विभागों के अध्यापक उपस्थित थे।

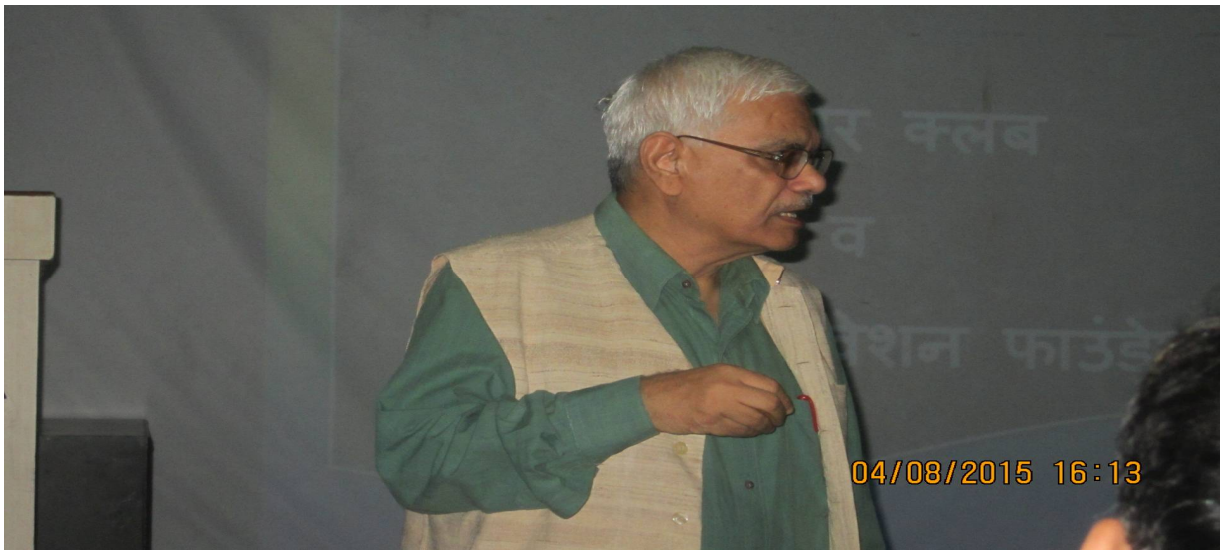

कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष प्रणव मुखर्जी के प्रयास से सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों को राष्ट्रपति भवन में निमंत्रित किया गया था। उनके साथ हुई बैठक में विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों को किस प्रकार अभिप्रेरित करता है और अध्यापक अपने कार्य में किस प्रकार नए-नए इनोवेशन ला सकते हैं इसपर चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि नवाचार क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मेलन में शिरकत कर विश्वविद्यालय सूचना एवं प्रौद्योगिकी में किस प्रकार आगे बढ़ रहा है, इसकी प्रस्तुतियां दी और उन्हें देश के पांच शीर्षस्थ संस्थानों में चुन लिया गया है, जो अपने काम में

नयापन और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बताया कि विवि द्वारा अभिप्रेरित शिक्षकों की कार्यशाला के लिए प्रो. अरबिंद कुमार झा को राष्ट्रपति भवन भेजा गया था। इस कार्यशाला में उन्होंने पढ़ने और पढ़ाने के तौर-तरीकों के अलावा समाज के विकास के लिए किस प्रकार के छात्रों को तैयार किया जाए, इस पर गंभीर बहस की गयी।

इस अवसर पर भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. धनजी प्रसाद, लीला विभाग के प्रभारी गिरीश पांण्डेय ने विभिन्न सॉफ्टवेअर से संबंधित अपनी प्रस्तुतियां दी। नवाचार को लेकर कौन-कौन सी योजनाएं और उपक्रम आरंभ किए गये इसकी जानकारी दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक प्रोफेसर संदीप सपकाले, शैलेश मरजी कदम, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. अख्तर आलम, अनुवाद अध्ययन विभाग के डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, ऋषभ कुमार मिश्र ने दी। कार्यक्रम का संचालन भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर रवि कुमार ने किया तथा आभार कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने माना।